Ans. (c) थार रेगिस्तान, जिसे ग्रेट इण्डियन डेजर्ट के रूप में भी जाना जाता है यह भारत व पाकिस्तान के बीच एक प्राकृतिक सीमा रेखा बनाता है। यह मरूस्थल भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 4.56% भाग है। मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया अतिचारण, अतिलहर, निर्वनीकरण प्रथा मृदा व जल के अनुचित प्रबन्धन के कारण प्रारम्भ व प्रसारित होती है।

384. निम्नलिखित में से कौन सा जिला शुष्क मैदानी कृषि जलवायु प्रदेश का भाग नहीं है?

(a) बीकानेर (b) पाली
(c) जैसलमेर (d) जोधपुर

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (b) पाली अर्द्ध शुष्क जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आता है। इस जलवायु प्रदेश की औसत वर्षा 20-40 सेमी. होती है। जबकि बीकानेर, जैसलमेर और जोधपुर शुष्क जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आते हैं। यहाँ गर्मियों में रेत भरी आंधी व लू चलती है। इस जलवायु प्रदेश में औसत वर्षा 16 से.मी. होती है।

385. निम्नलिखित में से किस प्रकार की मृदाएँ लिथोसोल्स भी कहलाती है?

(a) दोमट मृदाएँ (b) मरुस्थलीय मृदाएँ
(c) पर्वतीय मृदाएँ (d) लाल मृदाएँ

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (c) मृदा वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान की मिट्टी को मुख्यतः आठ (8) मृदा समूहों में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें से मुख्य हैं- रेगिस्तानी, भूरी, सीरोजेम, लाल लोम, पहाड़ी आदि। इनमें से पहाड़ी मिट्टी या पर्वतीय मिट्टी को 'लिथोसोल' कहते हैं। यह लाल, पीले व भूरे रंग की नागौर, पाली, सिहोर, उदयपुर इत्यादि जिलों में पायी जाती है।

386. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है-

मृदा का प्रकार	**जिला**
(a) लाल लोमी	डूँगरपुर
(b) पर्वतीय मृदा	उदयपुर
(c) पीली भूरी	बीकानेर
(d) गहरी मध्यम काली	कोटा

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (c) सही सुमेलित है–

मृदा के प्रकार		**सम्बन्धित जिला**
लाल लोमी	–	डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर।
पर्वतीय मृदा	–	उदयपुर, पाली, सिरोही, अजमेर।
पीली भूरी	–	बाड़मेर, सिरोही।
गहरी मध्यम काली	–	कोटा, झालावाड़, बूंदी।

अतः विकल्प **(c)** सुमेलित नहीं है।

387. राजस्थान में अंध एवं धूसर क्षेत्रों की बढ़ती हुई संख्या के मद्देनजर भारत के केन्द्रीय भू-जल प्राधिकरण ने राज्य के किन प्रशासनिक खण्डों में भूमिगत जलदोहन पर पूर्ण रोक लगा दी है-

(a) सूरजगढ़, देसूरी, देवली
(b) भीनमाल, टोडाभीम, टोडा रायसिंह
(c) बहरोड़, ओसियाँ, महुवा
(d) बहरोड़, भीनमाल, सूरजगढ़, घोंड़, श्रीमाधोपुर

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (d) सेन्ट्रल ग्राउन्ड वाटर अथॉरिटी ऑफ इण्डिया ने बहरोड़, भीनमाल, सूरजगढ़, घोंड व श्रीमाधोपुर में भूजल के दोहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया।

388. निम्न में से कौन-सा क्षेत्र राजस्थान में Bshw प्रकार की जलवायु को कोपेन वर्गीकरण के अनुसार दर्शाता है?

(a) अरावली के उत्तर का भाग
(b) अरावली के दक्षिण का भाग
(c) अरावली के पूर्व का भाग
(d) अरावली के पश्चिम का भाग

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) अरावली के पश्चिम का भाग राजस्थान में Bshw के प्रकार के जलवायु को कोपेन वर्गीकरण के अनुसार दर्शाता। Bshw जलवायु प्रदेश अर्द्धशुष्क प्रदेश है। जाड़े की ऋतु शुष्क होती है। साथ ही ग्रीष्म ऋतु में भी वर्षा अधिक नहीं होती है। वनस्पतियाँ मुख्यतः स्टैपी प्रकार की है। काटेंदार झाड़ियाँ और घास यहाँ की विशेषता है। राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित जिले बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, जोधपुर, नागौर, चुरू सीकर झुंझुनू आदि इस जलवायु प्रदेश में आते है।

389. राजस्थान में भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए कौन-सी फसल उगायी जाती है?

(a) गेहूँ (b) चावल (c) उड़द (d) गन्ना

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या—उड़द दलहनी फसल है। दलहनी फसलें खेतों की उर्वरा शक्ति को बनाए रखती हैं। इनके बोने से खेतों को नाइट्रोजन मिलता है। हरी खाद के रूप में भी इनका उपयोग किया जाता है। राजस्थान में दालों की कृषि कुल बोये गये क्षेत्र के 21.71% क्षेत्र पर की जाती है। राज्य के शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क भाग में दालों के अन्तर्गत अधिकतर क्षेत्र मिलता है।

390. 'सेम' किस स्थिति से सम्बन्धित है?

(a) रेत/बालू के टीलों का निर्माण (b) पारिस्थितिकी में परिवर्तन
(c) मिट्टी/मृदा का अपरदन/कटाव (d) वनीय कटाव

उत्तर–(c)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—'सेम' (water Lagging) पारिस्थितिकी में परिवर्तन से सम्बंन्धित है। यह विशिष्ट क्षेत्रों में उत्पन्न हुई है। जलाभरण अथवा सेम से तात्पर्य किसी क्षेत्र में पानी का भरा रहना। पानी के भरने से उसके समीपवर्ती क्षेत्र में नमी अधिक हो जाती है जिसे स्थानीय भाषा में 'सेम' कहते है। इस प्रकार के जलाभरण की समस्या राजस्थान के गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में, सूरतगढ़, बढ़ोपल रावतसर और बीकानेर के लूनकरणसर क्षेत्र में देखने को मिलती है।